(c) Three meetings of the Committee were held during 1993 on 26-3-1993, 30-9-93 and 30-12-1993.

Land acquired by Mahanadi Coalfields Limited

4286. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) the details of land acquired from the farmers by Mahanadi Coalfields Limited during the last three years ;

(b) the number of farmers whose land has been acquired on account of this :

(c) the steps taken to provide job compensation etc. to the farmers or their dependents ; and

(d) the details of the steps taken in that direction by Mahanadi Coalfields Limited during the last three years ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) to (d) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Piparwar Coal Project

4287. SHRIMATI KAMLA SINHA : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Piparwar coal project of Central Coalfields Limited has become ruined by environmental and human rights protests ; and

(b) if so, what steps have been taken by C.C.L. for environmental protection and rehabilitation of displaced villagers in view of this project with details thereof ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) and (b) The Piparwar Integrated mine cum-beneficiation project of Central Coalfields Limited which is under implementation is on schedule.

The various environmental protection measures undertaken as per the Environmental Management Plan approved inter-alia, includes reclamation, waste water management, dust suppression, monitoring of air, water and noise, rehabilitation, tree plantation etc.

देश में कोककारी (कोकिंग) कोयले का उत्पादन और मांग

4288. **श्री बीरन जे० शाह** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि सरकार का ध्यान 5 सितम्बर, 1993 के फाइनेन्सियल एक्सप्रेस में प्रकाशित "एक्शन प्लान' टू कट कोल इम्पोर्टस" शीर्षक से छपे समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच हैं कि पिछले कई वर्षों से देश में कोककारी कोयले की मांग में वृद्धि हो रही हैं और दूसरी ओर देश मे कुल कोयले के उत्पादन से कोककारी कोयले के उत्पादन के प्रतिशत में कमी आ रही है ;

(ग) यदि हां, तो 1989-90 से 1993-94 तक इसके उत्पादन में कितने प्रतिशत की कमी आई हैं ;

(घ) क्या यह भी सच है कि सरकार ने देश में आवश्यकता के अनुरुप मांग को पूरा करने हेतु कोककारी कोयले की आपूर्ति करने के लिए एक योजना कार्यान्वित करने का निर्णय किया है; और

(ङ) यदि हां, तो आठवीं पचवर्षीय योजना के अंत तक देश मे कोककारी कोयले की कुल मांग का कितना प्रतिशत स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) धुले हुए कोककर कोयले की इस्पात संयत्रों द्वारा अपेक्षित मांग में वर्ष 1989-90 में लगभग 15.07 मि० टन से 1993-94 में 20.91 (अनंतिम) मि० टन तक की वृद्धि हुई है । इसी अवधि के दौरान इस्पात संयंत्रों को धुले तथा सीधे फीड कोयले की देशीय आपूर्ति में वर्ष 1989-90 में 11.40 मि० टन से 1993-94 में 13.75 (अनंतिम) मि० टन तक की वृद्धि हुई है ।

(घ) जी, हां । एक तकनीकी दल, जोकि कोयला मंत्रालय द्वारा नियुक्त किया गया था, ने इस्पात संयंत्रों द्वारा अपेक्षित धुले कोयले की देशीय आपूर्ति में वृद्धि किए जाने के लिए एक कार्रवाई योजना की सिफारिश की है । इस दल की सिफारिशों को सरकार द्वारा स्वीकार कर लिया गया है और को० इं० लि० से एक समयबद्ध कार्यक्रम के आधार पर कार्रवाई योजना को क्रियान्वित किए जाने के लिए कहा गया हैं ।